के.रे.ज.सं.के. समाचारपत्र

CSGRC Newsletter

केन्द्रीय रेशम जननद्रव्य संसाधन केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड,होसूर
Central Sericultural Germplasm Resources Centre, Central Silk Board, Hosur

खंड Volume XIX सं. No. 1, 2019-20 | अर्धवार्षिक Half Yearly | सितंबर September 2019

अनुक्रमणिका / Index

विषय / Topic	पृ.सं / Pg. No.
अनुसंधान और विकास Research & Development	2
बैठकें Meetings	2
अन्य गतिविधियां Other Activities	3
समारोह Celebrations	4
स्वच्छता ही सेवा अभियान (एस एच एस) Swatchta Hi Seva (SHS) Campaign	4-5
राजभाषा कार्यान्वयन Official Language Implementation	6
आनुवंशिक शहतूत और रेशम कीट संसाधनों की आपूर्ति Supply of Genetic Resources	6
आगंतुक/ Visitors	7
सेवानिवृत्ति Superannuation	7
स्थानांतरण Transfers	7

निदेशक की ओर से / From Director's Desk

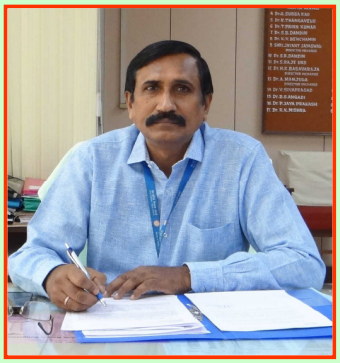

केन्द्रीय रेशम जननद्रव्य संसाधन केंद्र (के रे जं स के) ने अपनी स्थापना के ढाई दशक से अधिक समय सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए भावी पीढ़ी हेतु विविध शहतूत और रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों के संयोजन, संवर्धन और सुरक्षा से संबंधित सभी गतिविधियों की योजना, प्रचार और समन्वय के लिए देश में यह एक प्रमुख नोडल संगठन के रूप में उभरा है। केंद्र ने शहतूत और रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण के विभिन्न पहलुओं सहित अपने अधिदेश कार्य को जारी रखते हुए आंतरिक व सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं जो उपलब्ध संसाधनों के लक्षण वर्णन और विस्थापन के लिए उपयोगी हैं, को कार्यान्वित किया। अप्रैल 2019 - सितंबर 2019 के दौरान आर एंड डी और अन्य गतिविधियों की प्रमुखताएँ समाचार पत्र के इस अंक में दी गयी हैं

The Central Sericultural Germplasm Resources Centre (CSGRC), Hosur has successfully completed more than two and a half decades of its establishment. It has emerged as a premier nodal organization in the country for planning, promoting and coordinating all activities concerning assemblage, enrichment and safe guard of the diverse mulberry and silkworm genetic resources for posterity adopting a holistic approach. The Centre continued its mandated work covering various aspects of conservation of mulberry and silkworm genetic resources implementing in-house and collaborative research projects which are crucial for characterization and evaluation of the available resources.

The highlights of R & D and other activities carried out during April 2019 – September 2019 are given in this issue of the Newsletter.

अनुसंधान और विकास / Research and Development

- 1299 शहतूत के अभिगम (स्वदेशी -1014, विदेशी - 285) *एक्स-सिट्टु* में व्यवस्थित रूप से संरक्षित रहे। 24 शहतूत के नए समूह का लक्षण वर्णन किया गया।
- 475 रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों में शामिल 83 मल्टीवोल्टाइन (स्वदेशी -73 और विदेशी - 10), 369 बाइवोल्टाइन (स्वदेशी -209 और विदेशी - 160) और 23 म्यूटेंट (विदेशी) अभिगमों का लक्षण वर्णन, मूल्यांकन, संरक्षण और रखरखाव किया गया।
- एक आंतरिक अनुसंधान परियोजना और चार सहयोगी परियोजनाओं (अन्य अनुसंधान संस्थानों के साथ) को जारी रखा गया और चार परियोजनाओं का समापन किया गया।
- 1,299 mulberry accessions [Indigenous - 1014; Exotic - 285] were systematically conserved in *ex-situ* field condition. A new set of 24 mulberry accessions were characterized.
- 475 silkworm genetic resources comprising 83 Multivoltine accessions (indigenous-73 & exotic-10), 369 Bivoltine accessions (indigenous-209 & exotic-160) and 23 mutants (exotic) were characterised, evaluated, conserved and maintained.
- One in-house research project and four collaborative projects (with other research institutes) were continued and four projects were concluded.

बैठके / Meetings

30 अप्रैल 2019 को सेरी आनुवंशिक संसाधनों के प्रभावी संरक्षण और उपयोग के लिए रणनीति तैयार करने के लिए एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया था। श्री रजित रंजन ओखण्डियार आइ एफ एस , सदस्य सचिव केंद्रीय रेशम बोर्ड की अध्यक्षता मे आयोजित सत्र मे पूर्व और वर्तमान निदेशकों, वैज्ञानिकों और एन बी ए आइ आर, बेंगलुरु और यू ए एस जी के वी के बेंगलुरु के विशेषज्ञों ने इसमे भाग लिया। बैठक के दौरान प्रतिभागियों, गणमान्य व्यक्तियों और आमंत्रितों के बीच विस्तृत बातचीत हुई और विशेषज्ञों की टीम द्वारा कई महत्वपूर्ण सिफारिशे दी गई। अनुसंधान सलाहकार समिति (आर ए सी) की 38 वीं बैठक 30 अगस्त, 2019 को डॉ चंदीश आर बल्लाल, निदेशक, राकृकीसंब्यूरो, बेंगलुरु की अध्यक्षता मे आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान नई अनुसंधान परियोजनाओं, चालू परियोजनाओं के तहत प्रगति और पूर्ण परियोजनाओं के तहत परिणाम प्रस्तुत किए व चर्चा की गई।

A brainstorming session was organized on 30th April 2019 to formulate strategies for effective conservation and utilization of seri-genetic resources. Shri. Rajit Ranjan Okhandiar IFS, Member Secretary Central Silk Board chaired the session. Former and incumbent Directors, Scientists and experts from NBAIR, Bengaluru and UAS, GKVK Bengaluru participated in the session. During the session detailed interactions were held among the participants, the dignitaries and the invitees and a series of important recommendations were given by the team of experts.

The 38th meeting of the Research Advisory Committee (RAC) was convened on 30th August 2019 chaired by Dr.Chandish R. Ballal, Director, NBAIR, Bengaluru. The new research projects, progress under the on-going projects and outcome under the completed projects were presented and discussed during the meeting.

अन्य गतिविधियां / Other Activities

उन्नत अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता / Recognition as Advanced Research Centre

संस्थान को एम. फिल और पीएच.डी कार्यक्रमों में अनुसंधान करने के लिए पेरियार विश्वविद्यालय, पेरियार पलकलाई नगर, सेलम, तमिलनाडू द्वारा उन्नत अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता दी गई। इस संबंध में दो प्रोफेसरों ने इस संस्थान का दौरा किया और संस्थान की गतिविधियों और बुनियादी सुविधाओं से उन्हे अवगत कराया गया। दो वैज्ञानिक नामतः डॉ. एम. माहेश्वरी, वैज्ञानिक - डी और डॉ. जी. लोकेश, वैज्ञानिक - डी को विश्वविद्यालय के तहत एम. फिल और पीएच.डी के लिए उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करने के लिए अनुसंधान मार्गदर्शक / पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता दी गई है।

The Institute has been recognised as Advanced Research Centre by Periyar University, Periyar Palkalai Nagar, Salem, Tamil Nadu for conducting research in M.Phil. and Ph.D. Programmes. In this connection two Professors visited this Institute and the activities of the Institute and the infrastructure facilities available were explained to them.

Two Scientists *viz.* Dr. M. Maheswari, Scientist-D and Dr. G.Lokesh, Scientist-D have been recognized as Research Guides / Supervisors for guiding candidates for M.Phil. and Ph.D under this University.

समारोह / CELEBRATIONS

स्वतंत्रता दिवस / Independence Day

संस्थान में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस समारोह में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, कुशल कृषि श्रमिकों और उनके परिवारों ने भाग लिया।

Independence day was celebrated at the Institute and the National flag was hoisted. The Scientists, Officers, Staff members, Skilled Farm Workers and their families participated in the celebration.

स्वच्छता ही सेवा (एस एच एस) अभियान / SWATCHTA HI SEVA (SHS) CAMPAIGN

कचरे के हानिकारक प्रभावों और इसके उचित निपटान और प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करने की परिकल्पना की गई थी। इस संबंध में जागरूकता कार्यक्रमों की निम्नांकित श्रृंखला आयोजित की गई:

क्रम स.	दिनांक	जगह	प्रतिभागी
1.	27.09.2019	के रे जं स के , केन्द्रीय रेशम बोर्ड, होसूर	के रे जं स के , ए रे बी उ के, रे बी उ के, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, के कर्मचारी और कुशल कृषि श्रमिक
2.	30.09.2019	अंदीवाडी गाँव	आम जनता और टीवीएस नगर के विक्रेता
3.	01.10.2019	तमिल नाडु सेरीकल्चर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, डी ओ एस , होसूर	डी ओ एस कर्मचारी और सेरीकल्चर किसान

जागरूकता कार्यक्रम के अलावा के रे जं स के होसूर परिसर में एक "क्लीन एंड ग्रीन ड्राइव" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कार्यालय और पूरे परिसर की सफाई की गई थी और परिसर (क्वार्टर, गेस्ट हाउस, फार्म हाउस, रेयरिंग, ग्रेनेज और रीलिंग विभाग) से प्लास्टिक कचरा कर्मचारियो और कुशल कृषि श्रमिकों की सहायता से एकत्र किया गया। एकत्रित कचरे का विभाजन किया गया और उचित तरीके से निपटाया गया।

Under the **"SWATCHTA HI SEVA (SHS)"** campaign it was envisaged to create awareness about the harmful effects of plastic waste and the need for its proper disposal and management. In this regard a series of awareness programmes were conducted as follows:

Sl.No.	Date	Place	Participants
1.	27.09.2019	CSGRC,Campus, Central Silk Board, Hosur	Staff and skilled Farm workers of CSGRC, ESSPC, SSPC, Central Silk Board, Hosur.
2.	30.09.2019	Anthivadi village	General Public & Vendors of TVS Nagar.
3.	01.10.2019	Tamil Nadu Sericulture Training Institute, DOS, Hosur.	DOS staff and sericulture farmers.

केंद्रीय रेशम बोर्ड, होसुर के कर्मचारियों और कुशल फार्म श्रमिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

Awareness Programme for Staff and Skilled Farm workers of Central Silk Board, Hosur

तनराप्रसं होसूर में सेरिकल्चर विभाग कर्मचारियों व सेरिकल्चर किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

Awareness Programme for DOS staff and sericulture farmers at TNSTI, DOS, Hosur

प्लास्टिक प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु थली रोड से अंडीवाड़ी गांव तक आयोजित रोड शो

Road show organised from Thally Road to Anthivadi Village to create awareness on Plastic Management

In addition to the Awareness programmes a "Clean and Green drive" was organised at CSGRC, Campus. During this the office complex and the whole campus was cleaned and plastic waste was collected from the campus (Quarters, Guest House, Farm House, Rearing, Grainage and Reeling department) with the help of staff and skilled workers. The collected waste was segregated and disposed appropriately.

राजभाषा कार्यान्वयन / OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो त्रैमासिक बैठक 02.07.2019 और 28.09.2019 को आयोजित की गई। बैठक के दौरान तिमाही के लिए लक्ष्य, उपलब्धियों और खामियों पर चर्चा हुई और कर्मचारिओं को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने हेतु एक उपयुक्त योजना पर भी चर्चा हुई।

26.06.2019 और 21.09.2019 को राजभाषा कार्यान्वयन पर दो कार्यशालाओं का आयोजन एरी एस एस पी सी और एस एस पी सी, होसूर के साथ संयुक्त रूप से किया गया। इन कार्यशालाओं के दौरान प्रतिभागियों को हिंदी शब्दावली, दिनचर्या में उपयोग होने वाली टिप्पणी-लेखन, आलेखन, पत्रों और अन्य के संचारों के बारे में जानकारी दी। हिंदी दिवस 16.09.2019 को भारतीय भाषाओं के सौहार्द दिवस के रूप में मनाया गया।

आगे, हिंदी पखवाड़े का आयोजन 16-9-2019 से 28-9-2019 के बीच संयुक्त रूप से एरी एस एस पी सी और एस एस पी सी, होसूर के साथ किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान पांच प्रतियोगिताओं, अर्थात् सही लेखन (300 शब्द), टिप्पणी व पत्र लेखन, हिंदी शब्दावली और स्मृति परीक्षण का आयोजन किया गया। पखवाड़े के समापन के दिन यानी 28-9-2019 को विभिन्न श्रेणियों की प्रतियोगिताओं के तहत विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

Two quarterly meetings of the Official Language Implementation Committee were organized on 02.07.2019 and 28.09.2019. During the meeting the targets for the quarter, the achievement and shortfall were discussed and a suitable plan for motivating the staff to work in Hindi was also discussed.

Two workshops on Official Language Implementation were organised and conducted jointly with Eri SSPC and SSPC, Hosur on 26.06.2019 and 21.09.2019. During these workshops inputs on Hindi Glossary and usage of Hindi in routine Noting, Drafting, letters and other communication were given to the participants. Hindi Day was celebrated on 16.09.2019 as a cordial day of Indian languages.

In continuation to this, Hindi Fortnight was organized from 16.09.2019 to 28.09.2019 jointly with ESSPC and SSPC, Hosur. During the Hindi fortnight, five competitions *viz*. Correct writing (300 words), Noting & Letter Writing, Hindi Glossary and Memory test were organized. On the concluding day of the fortnight i.e. 28.09.2019, prizes were distributed to the winners under various categories of competitions.

आनुवंशिक शहतूत और रेशमकीट संसाधनों की आपूर्ति / SUPPLY OF MULBERRY AND SILKWORM GENETIC RESOURCES

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान, कटिंग / फलों के ग्राफ्टेड पौधे के रूप में 76 विदेशी और 258 स्वदेशी शहतूत अभिगमों की आपूर्ति सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं, परियोजना कार्यों, मूल्यांकन, विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपण आदि के लिए विभिन्न संस्थानों / विश्वविद्यालयों को की गई।

During the period under report, 76 exotic and 258 indigenous mulberry accessions in the form of cuttings / grafted saplings of fruit were supplied to different Institutes / Universities for collaborative research projects, project work, evaluation, world environment day planting, etc.

अतिथि / VISITORS

सेरीकल्चर निदेशालय, गुवाहाटी के नौ अधिकारी और एक तकनीकी सहायक; तमिलनाडु के सैंतीस सेरीकल्चर किसान, सेरीकल्चर विभाग, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के एक प्रोफेसर और सात छात्र एवं युवराज कॉलेज, मैसूर, कर्नाटक के तीन सहायक प्रोफेसर और बी.एससी सेरीकल्चर के चालीस छात्रों ने रिपोर्ट की अवधि के दौरान इस संस्थान का दौरा किया। उन्हे संस्थान की गतिविधियों के बारे में बताया गया।

Nine Officials from Directorate of Sericulture, Guwahati, one Technical Assistant and thirty seven Sericulture farmers of Tamilnadu, one Professor and seven Students from Department of Sericulture, TNAU, Tamilnadu, three Assistant Professors and forty students of B.Sc., Sericulture, Yuvaraja's College, Mysore, Karnataka visited this Institute during the period under report. The activities of the Institute were explained to them.

सेवानिवृत्ति / SUPERANNUATION

19 जून 2018 से केंद्र मे वैज्ञानिक-डी के पद पर कार्यरत डॉ.एस.मासिलामणि 31 मई 2019 को सेवानिवृत हुए।

Dr. S. Masilamani served as Scientist-D of the Centre from 19th June 2018 and superannuated on 31st May 2019.

स्थानांतरण / TRANSFER

डॉ. ऋतविका सुर चौधरी, वैज्ञानिक-बी ने 25.06.2019 को इस संस्थान में रिपोर्ट किया।

Dr. Ritwika Sur Chaudhuri, Scientist-B reported at this Institute on 25.06.2019.

खंड Volume XIX सं. No. 1, 2019-20 अर्धवार्षिक Half Yearly सितंबर September 2019

ध्यान दें !

किसान, शोधकर्ता और शैक्षिक संस्थान

"इस केंद्र में शहतूत और रेशमकीट के आनुवंशिक संसाधनों का एक विशाल संग्रह लागत पर उपलब्ध है"

इच्छुक पक्ष अधिक जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते हैं

निदेशक
के रे जं स के, होसूर

Attention!

Farmers, Researchers & Educational Institutions

"A vast collection of Mulberry & Silkworm Genetic Resources are available at this Centre at a cost"

Interested parties can contact the undersigned for further information

Director
CSGRC, Hosur

प्रकाशिन: डॉ. आर.के. मिश्रा, निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
संकलन: डॉ. जमीला खातून, वैज्ञानिक-डी (आर एंड एस)
संपादन: डॉ. डी. एस. सोमाप्रकाश, वैज्ञानिक-डी और डॉ. जमीला खातून, वैज्ञानिक-डी (आर एंड एस)
हिंदी अनुवाद: डॉ. गीता एन मूर्ति, वैज्ञानिक-डी और श्री. बैरवा नरेंद्र कुमार एम, पु व सू सहायक
फोटोग्राफी: डॉ. जी. थनवेन्दन, वैज्ञानिक सी और श्री. बैरवा नरेंद्र कुमार एम, पु व सू सहायक
डी टी पी: श्री एस. सेकर, सहायक निदेशक (कंप्यूटर)

Published by: Dr. R.K. Mishra, Director (Addl. Charge)
Compiled by: Dr. Jameela Khatoon, Scientist-D (R&S)
Edited by : Dr. D.S.Somaprakash, Scientist-D and Dr. Jameela Khatoon, Scientist-D (R&S)
Hindi Translation: Dr. Geetha N. Murthy, Scientist-D and Shri. Bairwa Narendra Kumar M, Lib. & Info. Asst.
Photography : Dr. G. Thanavendan, Scientist C, Shri. Bairwa Narendra Kumar M, Lib. & Info. Asst.
DTP: Sri S. Sekar, Assistant Director (Computer)

Central Sericultural Germplasm Resources Centre
Central Silk Board (Ministry of Textiles, Govt. of India)
P.B. No. 44, Thally Road, Hosur – 635 109
Phone : 04344 – 222013, 221148, Fax : 220520
e-mail : csgrchos.csb@nic.in , csgrchosur@gmail.com
website : www.csgrc.res.in

To